PAPER-III
POLITICAL SCIENCE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

D 0 2 1 0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

POLITICAL SCIENCE
राजनीति विज्ञान

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about five hundred **(500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

इस खण्ड में **बीस-बीस** (20) अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Machiavelli is considered as the father of modern Political Philosophy. Why ?

मैकियावली आधुनिक राजनैतिक दर्शन का जनक समझा जाता है । क्यों ?

OR/अथवा

Examine the structural-functional approach to the study of Comparative Politics. Is it suitable approach for the study of politics in the developing countries ?

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के संरचनात्मक-कार्यात्मक उपागम का परीक्षण कीजिए । क्या यह विकासशील देशों में राजनीति के अध्ययन का उपयुक्त उपागम है ?

OR/अथवा

Examine the extent to which Indian federalism is capable of coping with regional demands within the frame work of the existing constitutional provisions. Do you think any constitutional reforms are necessary ?

मौजूदा संवैधानिक प्रावधानों की रूपरेखा के अंतर्गत क्षेत्रीय माँगों को सफलतापूर्वक पूरा करने में भारतीय संघवाद कहाँ तक सक्षम है ? परीक्षण करें । क्या आप सोचते हैं कि किन्हीं संवैधानिक सुधारों की कोई आवश्यकता है ?

OR/अथवा

Discuss the Indo-Pak relations in the Post-Cold War era.

उत्तर शीत युद्ध काल में भारत - पाकिस्तान सम्बन्धों की विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Critically evaluate the role of bureaucracy in effecting socio-economic changes in India.

भारत में सामाजिक – आर्थिक परिवर्तन लाने में नौकरशाही की भूमिका की समीक्षा कीजिए ।

2. Examine the relevance of Marxian thought in contemporary period.

समकालीन युग में मार्क्सवाद की विचारधारा की प्रासंगिकता की परीक्षा कीजिए ।

OR/अथवा

Bring out the major differences in the traditional and modern approaches to the study of Comparative Politics.

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के पारम्परिक एवं आधुनिक उपागमों में मुख्य अंतरों को उजागर कीजिए ।

OR/अथवा

Examine the causes of marginality of the dalits in India and point out the measures that have been taken to combat marginality.

भारत में दलितों के उपान्तीकरण (सीमान्तीकरण) के कारणों की परीक्षा करें और ऐसी उपान्तीयता का सामना करने के लिए जो उपाय किए गए उनका उल्लेख करें ।

OR/अथवा

What are the various methods of pacific settlement of disputes ? Elaborate.

विवादों के शांतिपूर्ण निबटारे की विभिन्न विधियाँ क्या हैं ? विस्तार से समझाइए ।

OR/अथवा

Make an assessment of the contribution of Panchayati Raj institutions to rural development.

ग्रामीण विकास में पंचायती राज संस्थाओं के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह** (15) अंकों के **तीन** (3) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Discuss briefly the Gandhian concept of "Ram-Rajya". How far is it a practical idea ?
रामराज्य की गाँधीवादी अवधारणा की संक्षेप में विवेचना कीजिए । यह कहाँ तक व्यावहारिक विचार है ?

4. What are the tangible ingredients of National Power ?
राष्ट्रीय शक्ति के ठोस अवयव क्या हैं ?

5. Do you think reservation of seats for women in Parliament would contribute significantly to the empowerment of women ?
आपके विचार से क्या संसद में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण उनके सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा ?

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain Platonic Theory of Justice.
   न्याय के प्लेटोनिक सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए ।

7. Explain Hobbe's State of Nature.
   हॉब्स की प्राकृतिक अवस्था को स्पष्ट कीजिए ।

8. Write a note on C.T.B.T.
सी.टी.बी.टी. पर टिप्पणी लिखिए ।

9. What do you mean by Pressure Group ? How is it different from Interest Groups ?
दबाव समूह से आप क्या समझते हैं ? यह हित समूहों से किस प्रकार भिन्न है ?

10. What is civic culture ? How is it different from Parochial Political Culture ?
नागरिक संस्कृति क्या है ? यह संकीर्ण राजनीतिक संस्कृति से किस प्रकार भिन्न है ?

11. Distinguish between motion of confidence and motion of no-confidence.
विश्वास प्रस्ताव और अविश्वास प्रस्ताव के बीच अन्तर कीजिए ।

12. What is the advisory jurisdiction of the Supreme Court ?

सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शदात्री अधिकार क्षेत्र क्या है ?

13. Distinguish between Policy Planning and Programme Planning.

नीति नियोजन और कार्यक्रम नियोजन के बीच अन्तर कीजिए ।

14. Distinguish between Armament and Arms Control.

शस्त्रीकरण और शस्त्र नियन्त्रण के बीच अन्तर करें ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Read the following passage and answer the questions given below :

The Constituent Assembly wore two hats : one as the nation's provisional Parliament, the other while drafting the Constitution. Vital in themselves, these goals were understood to be essential to each other. Social revolution was not to be pursued at the expense of democracy, and the country could not be truly democratic unless a social revolution had established a more equitable society. Without national unity little progress could be made toward either social-economic reform or Democratic Government. Equally, without democracy and reform, India was unlikely to remain united. The goals were inseparable.

The founding fathers and mothers had spun what I think of as a seamless web. The strands of unity, democracy, and social revolution had to be strengthened together. Over-attention to, or slackness in, any strand would detrimentally affect the web. National leaders often called the goals the three pillars of socialism, secularism (meaning loyalty to nation over faction) and democracy. They were to be the national creed.

Before proceeding, I should like to unburden myself of several propositions that I think are both obvious and indisputable and that underlie this analysis of Indian Constitutional patterns since 1950. First, constitutions do not work. They are inert. They are worked by the citizenry and their leadership. As Dr. B.R. Ambedkar told the Constituent Assembly : 'it's our responsibility now; we can't blame our troubles on anyone else.' Secondly, the fact that any people are able to govern themselves democratically is an act of faith even more than one of reason, particularly because constitutions and their institutions may shape men's actions, but they cannot improve human character. Democracy is a messy business: subject to greatness, meanness and error. Constitutional Government is work in progress; a matter of never-ending adjustments. Each generation must cope with it anew.

संविधान सभा की दो भूमिकाएँ रहीं : एक राष्ट्र की अस्थायी संसद के रूप में, और दूसरा संविधान का प्रारूप बनाते समय । ये लक्ष्य, अपने आप में महत्त्वपूर्ण, एक दूसरे के लिए अनिवार्य समझे गए । प्रजातन्त्र की कीमत पर सामाजिक क्रान्ति को नहीं लाना था, और देश सही अर्थ में लोकतन्त्र नहीं हो सकता था जब तक कि सामाजिक क्रान्ति ने ज्यादा न्यायसंगत समाज न स्थापित कर दिया हो । राष्ट्रीय एकता के बिना सामाजिक-आर्थिक सुधार या लोकतान्त्रिक सरकार की थोड़ी प्रगति ही की जा सकती थी । इसी तरह से, लोकतन्त्र और सुधार के बिना, भारत का एकीकृत रहना असंभावित था । लक्ष्य अपृथक्कनीय हैं ।

मैं सोचता हूँ कि बुनियादी संस्थापकों ने सीवनहीन जाल बुना था । एकता, लोकतन्त्र और सामाजिक क्रान्ति के धागों को एक साथ सुदृढ़ किया जाना था । किसी एक धागे पर ज्यादा या कम ध्यान जाल को नुकसान पहुँचाएगा । राष्ट्रीय नेताओं ने लक्ष्यों को अक्सर समाजवाद, धर्मनिरपेक्षवाद (अर्थात्, गुटबंदी के परे राष्ट्र के प्रति वफादारी) और लोकतन्त्र के तीन स्तम्भ कहा । इनको राष्ट्रीय धर्ममत होना था ।

आगे बढ़ने से पहले, मैं बहुत से प्रस्तावों के भार से मुक्त होना चाहूँगा जो कि मैं सोचता हूँ सुस्पष्ट एवं अविवादनीय दोनों ही हैं और 1950 से चले आ रहे भारतीय संवैधानिक पैटर्न के इस विश्लेषण के मूल में स्थित हैं । पहला, संविधान कार्य नहीं करते हैं, वे जड़ या गतिहीन हैं । नागरिक वर्ग और उसके नेतृत्व में उनसे कार्य लिया जाता है । जैसा कि बी.आर. अम्बेडकर ने संविधान सभा में कहा था : 'अब यह हमारा दायित्व है; हम अपनी परेशानियों के लिए दूसरों को जिम्मेदार नहीं मान सकते हैं' । दूसरा, यह तथ्य कि कोई भी लोग अपने को लोकतान्त्रिक रूप से शासित कर सकते हैं, यह एक कारण से ज्यादा विश्वास की बात है, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि संविधान और उनकी संस्थाएँ व्यक्तियों के कृत्यों को ढाल सकती हैं, परन्तु वे मानवीय चरित्र को सुधार नहीं सकती हैं। प्रजातन्त्र घालमेल व्यवसाय है : महानता, नीचता और त्रुटि के अधीनस्थ है । संवैधानिक सरकार विकास में जारी कार्य है; यह कभी न समाप्त होने वाले समायोजनों का मामला है । प्रत्येक पीढ़ी को नए सिरे से इसके साथ निभाना चाहिए ।

15. What was the link between social revolution and democracy ?
सामाजिक क्रान्ति और लोकतन्त्र के बीच क्या समन्वय कड़ी है ?

16. What was the 'seamless web' spun by the founding fathers and mothers that the author spoke about ?
लेखक द्वारा उल्लेखित संविधान निर्माताओं द्वारा बुना सीवनहीन जाल क्या था ?

17. Who makes constitutions work ?
संविधानों को कौन चलाता है ?

18. Can constitutions and their institutions improve human character ?
क्या संविधान एवं उनकी संस्थाएँ मानव के चरित्र को सुधार सकते हैं ?

19. What are the obvious and indisputable propositions spoken of by the author that underlies his analysis of Indian constitutional patterns since 1950 ?
लेखक ने जिन सुस्पष्ट और अविवादनीय प्रस्तावों की बात की और जो 1950 से भारतीय संवैधानिक पैटर्न के उसके विश्लेषण के मूल में स्थित हैं क्या हैं ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....